India's Leading Institute for becoming an

आकार IAS

SHAPE YOUR DREAMS

Mobile No.

GENERAL STUDIES

Name of Candidate		Day	
GS Paper-		Date	

आकार अभिव्यक्ति

Daily Answer Writing

INDEX TABLE		
Q.No.	**Max. Marks**	**Marks Obt.**
1.		
2.		
3.		
4.		
5.		
Total Marks Obt.		

Over All Comment

Your Performance Appraisal / आपके प्रदर्शन का मूल्यांकन

Parameters	Q. No.	Excellent	Very good	Good	Average	Poor
Structure	1.					
	2.					
	3.					
	4.					
	5.					
Content	1.					
	2.					
	3.					
	4.					
	5.					
Sentence and Paragraph formation	1.					
	2.					
	3.					
	4.					
	5.					
Innovation	1.					
	2.					
	3.					
	4.					
	5.					
Language/Hand writing	1.					
	2.					
	3.					
	4.					
	5.					

1. स्वदेशी आंदोलन के माध्यम से देश में स्वदेशी कला और संस्कृति का विकास हुआ मूल्यांकन करे-

Do not write anything in this margin

Examiner will give marks here

TM AAKAR IAS SHAPE YOUR DREAMS

Do not write anything in this margin

Examiner will give marks here

TM
AAKAR IAS
SHAPE YOUR DREAMS

2. मरुस्थलीकरण से आप क्या समझते हैं? प्रभावी रूप से इससे कैसे निपटा जा सकता है?

Do not write anything in this margin

Examiner will give marks here

TM AAKAR IAS SHAPE YOUR DREAMS

Do not write anything in this margin

Examiner will give marks here

TM
AAKAR IAS
SHAPE YOUR DREAMS

3. सन 1907 के सूरत विभाजन के कारणों का परीक्षण करें साथ ही गरमपंथियों और नरमपंथियों द्वारा अपनाए गए उद्देश्यों और उपायों के अंतर को स्पष्ट करें।

Do not write anything in this margin

Examiner will give marks here

TM AAKAR IAS SHAPE YOUR DREAMS

Do not write anything in this margin

Examiner will give marks here

TM
AAKAR IAS
SHAPE YOUR DREAMS

4. गांधीजी और नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वारा भारत के विचार के लिए की गई कल्पना की तुलनात्मक वर्णन कीजिए ।

Do not write anything in this margin

Examiner will give marks here

TM AAKAR IAS SHAPE YOUR DREAMS

Do not write anything in this margin

Examiner will give marks here

TM
AAKAR IAS
SHAPE YOUR DREAMS

5. स्वतंत्रता के बाद शुरू किए गए भूदान आंदोलन का समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

Do not write anything in this margin

Examiner will give marks here

TM AAKAR IAS SHAPE YOUR DREAMS

Do not write anything in this margin

Examiner will give marks here

TM
AAKAR IAS
SHAPE YOUR DREAMS

1. स्वदेशी आंदोलन के माध्यम से देश में स्वदेशी कला और संस्कृति का विकास हुआ मूल्यांकन करे-

उत्तर: आईएनसी ने लॉर्ड कर्जन द्वारा 1905 में बंगाल के विभाजन की घोषणा के खिलाफ बंगाल में स्वदेशी आंदोलन शुरू किया। यह एक विरोध आंदोलन के रूप में शुरू किया गया था, जिसने देश में बहिष्कार आंदोलन को भी बढ़ावा दिया।

Do not write anything in this margin

Examiner will give marks here

स्वदेशी मूल्य संवर्धन:

• लोक संगीत, चित्रों, भारत की संस्कृति जैसी समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं का प्रयोग जनता के एक हिस्से को उजागर करने के लिए किया गया था।

• कला में स्वदेशी आंदोलन के नेता अबनिंद्रनाथ टैगोर थे, जिन्होंने बंगाल स्कूल ऑफ आर्ट का नेतृत्व किया।

• बंगाल के विभाजन का विरोध करने के लिए, टैगोर ने 2006 में भारत माता को चित्रित किया।

स्वदेशी कला ने विषय वस्तु का प्रतिनिधित्व किया जो स्वाभाविक रूप से भारतीय मूल का था जिसने भारतीयों को इसे देखने के लिए प्रेरित कियाद्य उदहारण- मुगल शासन की भव्यता को अबनिंद्रनाथ टैगोर ने चित्रकला के माध्यम से विकसित किया।

• राजा रवि वर्मा द्वारा भारतीय विरासत का पुनरुद्धार किया गयाद्य उदाहरण-हिंदू देवी-देवताओं की पेंटिंग, पौराणिक दृश्य, भारतीय जीवन आदि।

• एंग्लो-शिक्षा और स्कूलों के उद्घाटन के माध्यम से मातृभाषा को बढ़ावा देना, उसी प्रकार से बंगाल राष्ट्रीय कॉलेज पारंपरिक कला को बढ़ावा देने की दिशा में एक कदम था।

• स्वदेशी आंदोलन के प्रतिरोध को रबींद्रनाथ टैगोर के साहित्य, गीतों और बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के वंदे मातरम में भी देखा जा सकता है।

• अबिन्द्रनाथ टैगोर और उनके शिष्य नंदलाल बोस ने विक्टोरियन कला के वर्चस्व को तोड़ा और चित्रकला की भारतीय शैलियों को अपनाया।

• जीव विज्ञान के क्षेत्र में जेसी बोस के अध्ययन ने भारतीयों को गर्व और उपलब्धि की भावना से भर दिया।

इन सांस्कृतिक कलाकृतियों ने भारतीय जनता के बीच समृद्ध भारतीय विरासत के बारे में जागरूकता के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने भारतीय जनता के बीच भारतीय सांस्कृतिक समृद्धि की कायाकल्प के माध्यम से सांस्कृतिक आत्म-पहचान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

2. मरुस्थलीकरण से आप क्या समझते हैं? प्रभावी रूप से इससे कैसे निपटा जा सकता है?

उत्तर: संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन के अनुसार, मरुस्थलीकरण शुष्क, अर्ध-शुष्क और शुष्क उप-आर्द्र क्षेत्रों में भूमि का क्षरण है।

बेहतर समझ के लिए मरुस्थलीकरण के पीछे के कारण:

- मरुस्थलीकरण मुख्य रूप से मानव गतिविधियों और जलवायु विविधताओं के कारण होता है। मरुस्थलीकरण में मौजूदा रेगिस्तानों के विस्तार का उल्लेख नहीं है।
- यह इसलिए होता है क्योंकि शुष्क भूमि पारिस्थितिकी तंत्र, जो दुनिया की भूमि क्षेत्र का एक तिहाई हिस्से को कवर करता हैं, अत्यधिक दोहन और अनुपयुक्त भूमि उपयोग से बेहद असुरक्षित हैं।
- गरीबी, राजनीतिक अस्थिरता, वनों की कटाई, अतिवृष्टि और खराब सिंचाई प्रथाएं सभी भूमि की उत्पादकता को कम कर सकती हैं।
- संक्षिप्त कारण:
- पानी का कटाव
- वायु का कटाव
- मानव निर्मित / बस्तियां
- वनस्पति का ह्रास
- लवणता

मरुस्थलीकरण से निपटने के प्रभावी तरीके:

- कटाव को कम करने के लिए स्थायी भूमि उपयोग को बढ़ावा देने के लिए नीति परिवर्तन
- वनस्पति आवरण का संरक्षण जिससे मिट्टी का क्षरण रुकेगा
- वैकल्पिक खेती और औद्योगिक तकनीक
- शुष्क भूमि के बाहरी आर्थिक अवसरों की स्थापना करना
- सतत कृषि का अभ्यास
- नियमित रूप से किए जाने वाले पर्यावरण वानिकी का अभ्यास
- पुनर्नवीनीकरण कागज का उपयोग
- मरुस्थलीकरण के बारे में जागरूकता बढ़ाना

Do not write anything in this margin

Examiner will give marks here

वैश्विक स्तर पर किए गए उपाय:

- UNCCD: पहला कानूनी रूप से अंतर्राष्ट्रीय समझौता
- बॉन चुनौती: 2020 तक दुनिया की 150 मिलियन हेक्टेयर भूमि की कटाई को कम करना और खराब हो चुकी भूमि को 2030 तक 35030 हेक्टेयर तक लाना है।
- एसडीजी- 15, 2030: स्थायी भूमि के उपयोग को बढ़ावा देना

भारत द्वारा किए गए उपाय:

- मृदा संरक्षण के लिए नदी घाटी परियोजना और बाढ़ प्रवण नदियों का संरक्षण (2000)
- राष्ट्रीय वनीकरण कार्यक्रम (2000)
- नेशनल एक्शन प्रोग्राम टू कॉम्बैट डेजर्टिफिकेशन (2001)
- पशुभोजन और भोजन विकास योजना (2010)
- ग्रीन इंडिया पर राष्ट्रीय मिशन (2014)

मरुस्थलीकरण को समापन करने का सबसे अच्छा अवसर दुनिया को जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को स्थिर करना होगा, वन्यजीव

प्रजातियों को बचाना होगा और हमारी भलाई की रक्षा करनी होगी।

3. सन 1907 के सूरत विभाजन के कारणों का परीक्षण करें साथ ही गरमपंथियों और नरमपंथियों द्वारा अपनाए गए उद्देश्यों और उपायों के अंतर को स्पष्ट करें।

(8 अंक)

उत्तर- बंग-भंग आंदोलन के लिए नरमपंथी और गरमपंथी एक साथ काम कर रहे थे। गरमपंथियों का विचार था कि, आंदोलन का विस्तार किया जाना चाहिए और सरकार को निशाना बनाना चाहिए।

अंग्रेजों द्वारा प्रशासनिक सुधारों की प्रक्रिया को देखने के लिए जिस उदारवादी नेतृत्व को आमंत्रित किया गया था, उसे लगा कि इस समय अंग्रेजों को उकसाना खतरनाक होगा। इस प्रकार दोनों पक्ष एक-दूसरे को शत्रु के रूप में देखने लगे। गरमपंथी नेता तिलक और उदारवादी नेता गोखले विभाजन से बचना चाहते थे क्योंकि वे जानते थे कि विभाजित कांग्रेस को आसानी से अंग्रेजों द्वारा वश में किया जा सकता है। लेकिन उन्हें अपने गुटों के दूसरे नेताओं के सामने घुटने टेकने पड़े। अंत में रास बिहारी घोष की अध्यक्षता में वर्ष 1907 में सूरत में पार्टी का विभाजन हो गया।

विभाजन के तुरंत बाद गरमपंथियों के नेताओं का सरकार द्वारा दमन किया गया, जिससे गुट नेत्रत्व विहीन हो गया। तिलक को बर्मा में कैद कर लिया गया;

अरबिंदो घोष ने धर्म के लिए राजनीति छोड़ दी। पाल राजनीति से सेवानिवृत्त हो गए और लाला लाजपत राय एक लम्बे प्रवास के लिए विदेश चले गए। नरमपंथियों को भी मूर्ख बनाया गया और मॉर्ले मिंटो सुधार द्वारा कोई रियायत नहीं दी गई। इसके स्थान पर इसने सांप्रदायिकता के बीज बोए, जिसके कारण अंतत: भारत का विभाजन हुआ। उन्होंने अपनी विश्वसनीयता और समर्थन खो दिया। 1907-1914 की अवधि कांग्रेस के लिए अंधकारमय थी।

गरमपंथियों और नरमपंथियों के बीच अंतर:

नरमपंथी	गरमपंथी
• सामाजिक आधार-शहरों में जमीदार और उच्च मध्यम वर्गीय	• सामाजिक आधार-शिक्षित मध्यम वर्गीय निम्न मध्यम वर्गीय
• वैचारिक प्रेरणा पश्चिमी उदारवादी विचार और यूरोपीय इतिहास	• वैचारिक प्रेरणा-भारतीय इतिहास, सांस्कृतिक विरासत और हिन्दू परंपरा के प्रतीक

• भारत में, इंग्लैंड के संभावित मिशन में विश्वास	• एक भ्रम के रूप में संभावित मिशन सिद्धांत को खारिज कर दिया
• भारत के सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक हित में, ब्रिटेन के साथ राजनीतिक सम्बन्ध माना गया।	• लोगों के भाग लेने और बलिदान करने की क्षमता में अत्यधिक विश्वास।
• ब्रिटिश ताज के प्रति निष्ठा	• ऐसा विश्वास था कि,ब्रिटेन के साथ राजनीतिक संबंध भारत के ब्रिटिश शोषण को समाप्त कर देंगे
• ऐसा विश्वास था कि, आन्दोलन को मध्यम वर्ग के बुद्धजीवियों तक सीमित रखना चाहिए आम लोग अभी राजनीति में आने के लिए तैयार नहीं हैं	• ऐसा विश्वास था कि ब्रिटिश ताज भारतीयों की वफादारी का दावा करने के लिए अयोग्य है
• भारतीयों के लिए संवैधानिक सुधार और सेवाओं में भागीदारी की मांग	• अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए बहिष्कार और निष्क्रिय प्रतिरोध जैसी अतिरिक्त संवैधानिक विधियों का उपयोग करने में संकोच नही किया
• केवल संवैधानिक पद्धति पर जोर दिया	• लोगों की भाग लेने और बलिदान करने की क्षमता में अत्यधिक विश्वास था
• वे देशभक्त थे और उन्होंने कंप्राडो (एक व्यक्ति जो विदेशी संगठन के लिए एक एजेंट के रूप में कार्य करता है) की भूमिका नहीं निभाई ।	• इन्होंने भारतीयों की समस्या के लिए रामबाण के रूप में स्वराज की मांग कीद्य ये देश भक्त थे इन्होने देश के लिए बलिदान दिया।

अंत में नरमपंथियों को एहसास हुआ कि उन्हें गरमपंथियों के समर्थन की आवश्कता है जिससे वे आम जनता तक अपनी पहुँच बना सकें और गरमपंथियों को एहसास हुआ कि उन्हें नरमपंथियों के संरक्षण की आवश्कता है। उन्हें एहसास हुआ कि, वे एक-दूसरे के समर्थन के बिना शाही सरकार से अपनी मांगों को पूरा नही करवा सकते और न ही स्वतंत्रता प्राप्त कर सकते हैं।

4. गांधीजी और नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वारा भारत के विचार के लिए की गई कल्पना की तुलनात्मक वर्णन कीजिए ।

(8 अंक)

उत्तर: महात्मा गांधी और नेताजी सुभाष चंद्र बोस भारत के अमर संस्थापक जनक हैं। उनके श्भारत के विचारश ने न केवल भारतीय राष्ट्र निर्माण का नेतृत्व किया, बल्कि अभी भी समकालीन सामाजिक और राजनीतिक विचारों का मार्गदर्शन करता है।

उनकी राय और विचार निम्नलिखित तरीकों से भिन्न थे:

महात्मा गांधी

<u>प्रणाली</u>

- अहिंसा का सख्त पालन
- हिंसा को हल से ज्यादा समस्या माना जाता है,अत:किसी भी कीमत पर हिंसा नहीं
- उग्रवाद का विरोध

<u>प्रारम्भ एवं अंत</u>

Do not write anything in this margin

Examiner will give marks here

- कारण व परिणाम दोनों महत्वपूर्ण है
- मार्गदर्शन के लिए सत्य और अहिंसा
- जैसे: गांधीजी ने द्वितीय विश्व युद्ध से जूझ रहे अंग्रेजों को अल्टीमेटम देकर अंग्रेजों की सेवा करने के विचार को खारिज कर दिया क्योंकि वे एक कठिन परिस्थिति में थे, भले ही उन्हें स्वतंत्रता आंदोलन में बड़ा लाभ दे सकते।

शासन के प्रकार

- रामराज्य- सत्य, अहिंसा और आत्म नियमन पर आधारित है
- न्यूनतम राज्य नियंत्रण- राज्यविहीन समाज, पूर्ण विकेंद्रीकरण
- ग्रामराज- गाँव के गणराज्यों- के आधार पर आत्मनिर्भर और स्वशासित होना

अर्थव्यवस्था

- काम का सहकारी संगठन
- अर्थव्यवस्था का विकेंद्रीकरण
- पूँजीवाद और पश्चिमी समाजवाद का विचार खारिज

धर्म

- सत्य और अहिंसा पर आधारित हिंदू धर्म का दृढ़ विश्वास
- धर्म के उद्देश्य के रूप में मानवता की सेवा
- धर्म के बिना राज्य की कल्पना नहीं

जाति एवं अस्पृश्यता

- वर्ण-व्यवस्था के भीतर छुआछूत का विरोध लेकिन सामाजिक व्यवस्था के लिए वर्ण व्यवस्था महत्वपूर्ण

शिक्षा

- अंग्रेजी की जगह देशीय भाषा माध्यम के रूप में
- नैतिक, आध्यात्मिक और शारीरिक प्रशिक्षण को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाना चाहिए

समाज में स्त्री का स्थान

- महिलाओं के विषय में सामाजिक मर्यादाओं जैसे परदा, दहेज, बाल विवाह का विरोध
- लेकिन पारंपरिक लिंग भूमिकाओं में विश्वास किया जाता है- महिलाओं को घर और बच्चों की देखभाल करना

नेता जी सुभाष चन्द्र बोस

प्रणाली

- इम्पीरियलवादियों को बाहर करने के एकमात्र तरीके के रूप में हिंसक प्रतिरोध का उपयोग
- यदि आवश्यक हो तो हिंसा का उपयोग करने के लिए क्रांति की जानी चाहिए
- सैन्यवाद और उसके अनुशासन के प्रति आकर्षित

प्रारम्भ एवं अंत

- परिणाम को प्रधानता दी
- सही परिणाम साधनों को उचित ठहरा सकता है।
- उदाहरण के लिए: नाजी जर्मनी और इंपीरियल जापान की मदद तब भी ली जब उसने उन्हें अस्वीकार कर दिया और खुद को स्वतंत्रता और समानता में विश्वास किया।

शासन के प्रकार

- केंद्रीकृत राज्य नियंत्रण
- गरीबी और असमानता को मिटाने के लिए राज्य के पास अनुशासन और सत्तावादी चरित्र है, जिस के लिए लोकतंत्र सक्षम नहीं है
- राष्ट्र निर्माण का उद्देश्य सफल होने के बाद, लोकतंत्र की स्थापना की जा सकती थी

अर्थव्यवस्था

- राष्ट्रीय पुनर्निर्माण और आर्थिक स्वतंत्रता के आधार पर समाजवाद
- केंद्रीकृत आर्थिक नियोजन (गठित राष्ट्रीय योजना समिति)
- राज्य के स्वामित्व और नियंत्रण के तहत औद्योगीकरण

Do not write anything in this margin

Examiner will give marks here

धर्म

- उपनिषदों, गीता और स्वामी विवेकानंद की शिक्षाओं पर विश्वास
- कॉस्मोपॉलिटन और धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण
- निजी पदार्थ और राज्य के रूप में धर्म का इससे कोई लेना-देना नहीं है

जाति एवं अस्पृश्यता

- समाजवादी क्रांति को बढ़ावा देते हुए समतावादी विचारधारा का प्रचार-प्रसार एवं जाति व वर्ग रहित समाज

शिक्षा

- तकनीक, वैज्ञानिक एवं आधुनिक अंग्रेजी शिक्षा का विचार एवं प्रचार प्रसार

समाज में स्त्री का स्थान

- स्त्री की पूर्ण आजादी का विचार
- नारी एवं पुरुष में समान समानता एवं आजादी के लिए लड़ने का विचार
- उदाहरण: महिला नेताओं के अधीन आईएनए- झांसी रेजिमेंट का गठन एवं उनमें महिलाओं की भर्ती

अत:, भारत के लिए स्वतंत्रता के अपने सपनों के लिए वैचारिक मतभेद उन्हें विभिन्न रास्तों पर ले गए।

Do not write anything in this margin

Examiner will give marks here

5. स्वतंत्रता के बाद शुरू किए गए भूदान आंदोलन का समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।
(8 अंक)

उत्तर रूपरेखा:

प्रस्तवना: भूदान आंदोलन का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

मुख्य भाग: भूदान आंदोलन के महत्व और सीमाओं का विस्तार से वर्णन कीजिए।

निष्कर्ष: अंत में इस आन्दोलन का महत्व बताते हुए उत्तर को समाप्त करें।

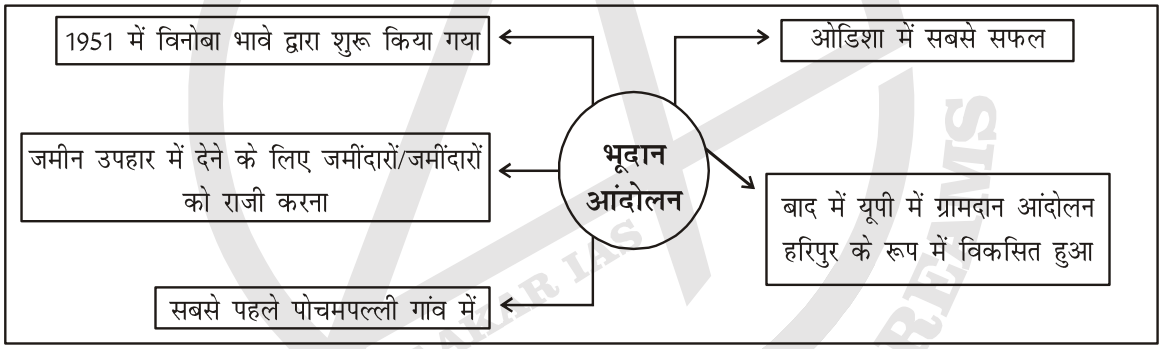

भूदान आंदोलन, जिसे भूमि उपहार आंदोलन के रूप में भी जाना जाता है, **पहली बार 1950** के दशक में पहली बार **आंध्र प्रदेश के पोचमपल्ली गांव** में **आचार्य विनोबा भावे** द्वारा शुरू किया गया था; यह एक ऐसा आंदोलन है जिसमें भूमिहीन मजदूरों को खेती करने के लिए जमीन उपहार में दी गई थी।

भूदान आंदोलन का महत्व:

- इस आंदोलन के माध्यम से **20 वर्षों की अवधि** में देश भर में कुल **40 लाख एकड़ भूमि** का वितरण किया गया।
- इसने भूमि के पुनर्वितरण को प्रोत्साहित किया, जिससे खेतिहर मजदूर भूमि के मालिक बन गए। फलस्वरूप कृषि उत्पादन में वृद्धि हुई।
- इसने सर्वोदय समाज को प्रोत्साहित किया। **सर्वोदय समाज** मूल्यों में आमूल परिवर्तन के माध्यम से भारत की सामाजिक संरचना को बदलने के लिए एक अहिंसक और रचनात्मक कार्यक्रम था।
- समय बीतने के साथ, इसने **ग्रामदान आंदोलन** को शामिल करने के लिए अपने दायरे का विस्तार किया, जहां गांधीजी के ट्रस्टीशिप के विचार पर जोर दिया गया था।
- कई अन्य नेताओं को भी आंदोलन से प्रोत्साहन मिला और वे भी आंदोलन में शामिल हो गए। उदाहरणस्वरूप- जय प्रकाश नारायण ने इस आंदोलन में योगदान देने के लिए अपने वकील की व्यावसायिकता को छोड़ दिया।

भूदान आंदोलन की सीमाएं:

- अक्सर दानदाताओं ने अपनी **बंजर और अपशिष्ट जमीन** को सिर्फ नाम के लिए दान कर दिया। इसने इसके मूल उद्देश्य को पराजित किया।
- इसने लोकतान्त्रिक मूल्यों को अपनाने के बजाय **मालिक-नौकर के पुराने मूल्यों** को ही मजबूत किया।
- भूदान का उद्देश्य केवल भूमिहीन ग्रामीणों की मदद करना था। इसमें **अर्ध-भूमिहीन या उन ग्रामीणों को शामिल नहीं** किया गया जिनके पास छोटी जोतें थीं और फिर भी वे जुताई का काम करते थे।
- बाद में आंदोलन में **धीमी प्रगति, रिश्वतखोरी, नकली भूमि दान** आदि जैसी विभिन्न समस्याएँ पनपने लगी।

निष्कर्ष: कुछ सीमाओं के बावजूद, भूदान आंदोलन ने किसानों के बीच राजनीतिक गतिविधियों को प्रोत्साहित किया और समाज में व्याप्त असमानता के बारे में जनता के बीच जागरूकता पैदा की।

Do not write anything in this margin

Examiner will give marks here

TM AAKAR IAS SHAPE YOUR DREAMS

India's Leading Institute for becoming an IAS

आकार IAS

Shape Your Dreams

Online & Offline

आकार अभिव्यक्ति

DAILY MAINS ANSWER WRITING - 2024

STARTS FROM 06 JAN. 2025

Features

- 5 Question per day based on segregated syllabus.
- Doubt Sessions.
- One to One Mentorship Session by Subject Experts.
- Focus on developing innovative answer writing.
- Timely completion of mains syllabus.
- Exchange of innovative ideas for innovation in answer through group discussion under guidance of experts.

REGISTRATION OPEN

Ph.:9519483938, 9935888651

Website: aakarics.com | E-mail: aakartoday@gmail.com Follow us on:

:B-59, Sec-H, Opp. Axis Bank, Near Puraniya Chauraha Aliganj, Lucknow

आकार IAS

MAINS ANSWER WRITING PROGRAMME-2024

G.S-PAPER- V (UP Special)

Date	Day	Topic
06-01-2025	Monday	उत्तर प्रदेश का इतिहास, सभ्यता, संस्कृति एवं प्राचीन नगर।, उत्तर प्रदेश की वास्तुकला, उसकी महत्ता एवं रख-रखाव, संग्रहालय, अभिलेखागार एवं पुरातत्व। **History, Civilization, Culture and Ancient Cities of UP, Architecture, their significance and maintainability, museum, archive and archaeology of UP.**
07-01-2025	Tuesday	भारत के स्वतंत्रता संग्राम में 1857 से पहले एवं बाद में उत्तर प्रदेश का योगदान।, उत्तर प्रदेश के सुविख्यात स्वतंत्रता सेनानी एवं व्यक्तित्व। **Contributions of UP in Pre and post 1857 freedom struggles of India., Eminent freedom fighters and personalities of UP.**
08-01-2025	Wednesday	उत्तर प्रदेश में ग्रामीण, शहरी एवं जनजातीय मुद्दे सामाजिक संरचना, त्योहार, मेले, संगीत, लोकनृत्य, भाषा एवं साहित्य / बोली, सामाजिक प्रथाएँ एवं पर्यटन। Rural, Urban and Tribal issues: social structure, festivals, fairs, music, folk dances, literature and languages/dialects, social customs of UP.
09-01-2025	Thursday	उत्तर प्रदेश की राजव्यवस्था शासन प्रणाली, राज्यपाल, मुख्यमंत्री, मंत्रिपरिषद, विधान सभा एवं विधान परिषद, केंद्र-राज्य संबंध।, उत्तर प्रदेश में लोक सेवाएँ, लोक सेवा आयोग, लेखा परीक्षा, महान्यायवादी, उच्च न्यायालय एवं उसका अधिकार क्षेत्र। **Political System of UP: Governance, Governor, Chief Minister, Council of Ministers, State Assembly and State Council, Center-State Relation., Public Service, Public Service Commission, Auditing, Advocate General, High Court and its jurisdiction in UP.**
10-01-2025	Friday	उत्तर प्रदेश विशेष राज्य चयन मानदंड, राजभाषा, संचित निधि एवं आकस्मिक निधि, राजनीतिक दल एवं राज्य निर्वाचन आयोग।, उत्तर प्रदेश में स्थानीय स्वशासन शहरी एवं पंचायती राज, लोकनीति, अधिकार संबंधी मुद्दे। **Special State Selection Criteria, Official Language, Consolidated Fund and Contingency fund, Political Parties and State Election Commission of UP., Local Self Govemment: Urban and Panchayati Raj, Public Policy, Right related issues in U P.**
11-01-2025	Saturday	**मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ कृषि पर निबन्ध**
13-01-2025	Monday	उत्तर प्रदेश सुशासन, भ्रष्टाचार निवारण, लोकायुक्त, सिटीजन चार्टर, ई-गवर्नेंस सूचना का अधिकार, समाधान योजना।, उत्तर प्रदेश में भूमि सुधार एवं इसका प्रभाव। **Good Governance, Eradication of Corruption, Lokayukta, Citizen Charters, E-Governance, Right to Information, Redressal Policy., Land Reforms and its impact in UP.**
14-01-2025	Tuesday	उत्तर प्रदेश में सुरक्षा से जुड़े मुद्दे- उग्रवाद के प्रसार एवं विकास के बीच संबंध, बाह्य राज्य एवं अतंर्राज्यीय सक्रियकों से आंतरिक सुरक्षा के लिये चुनौतियां पैदा करने में संचार नैटवकों मीडिया एवं सोशल नेटवर्किंग साइट्स की भूमिका। साइबर सुरक्षा के बुनियादी नियम, कालेधन को वैध बनाना एवं इसकी रोकथाम।,विभिन्न सुरक्षा बल एवं एजेंसियाँ और उनके शासनादेश/ अधिकार-पत्र।, सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा चुनौतियाँ एवं उनका प्रबंधन, संगठित अपराधों का आंतकवाद से संबंध। **Issues Related to Security in UP.** **Linkage between development and spread of extremism., Role of Extermal, State and Interstate actors in creating challenges to intemal security through communication networks, media and social networking sites., Basic rules of cyber security, money- laundering and its prevention., Various security forces and agencies and their mandate., Security challenges and their management in border areas, linkage of organized crimes with terrorism.**
15-01-2025	Wednesday	उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था एवं नागरिक अधिकार सुरक्षा।, उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य एवं चिकित्सीय मुद्दे।, उत्तर प्रदेश में शिक्षा प्रणाली। **Law and Order and Civil Defense in UP., Medical and Health issues in UP., State Education System of UP.**
16-01-2025	Thursday	भारत के विकास में उत्तर प्रदेश की भूमिका।, उत्तर प्रदेश की समसामयिक घटनाएँ।, जल शक्ति मिशन एवं अन्य केंद्रीय योजनायें एवं उनका क्रियान्वयन। **Contribution of U Pin development of India., Current Affairs of UP., Implementation of Jal Shakti Mission and other central welfare scheme in UP.**
17-01-2025	Friday	उत्तर प्रदेश में गैर सरकारी संगठन (एन.जी.ओ.): मुद्दे, योगदान एवं प्रभाव।, उत्तर प्रदेश में पर्यटन: मुद्दे एवं संभावनायें।, उत्तर प्रदेश में विभिन्न क्षेत्रों में नवाचार इसके मुद्दे एवं इसका समाज मे **NGOs in UP: Issues, Contribution and Impact., Tourism in U P: Issues and prospects., Emphasis on Innovation in various fields in UP: Issues and it's impact on employement and socio-economic development of the society.**

G.S-PAPER- VI (UP Special)

Date	Day	Topic
18-01-2025	Saturday	विलोम, वर्तनी अशुद्धि (जल वायु परिवर्तन पर निबन्ध)
20-01-2025	Monday	**Overview of the economy of UP: Highlights of the economy and state budget, importance of infrastructure and physical resources., Trade, Commerce and Industry of UP.** उत्तर प्रदेश का आर्थिक परिदृश्य अर्थव्यवस्था एवं राज्य बजट की मुख्य विशेषताएँ, बुनियादी ढाँचा एवं भौतिक संसाधनों का महत्त्व।, उत्तर प्रदेश का व्यापार, वाणिज्य एवं उद्योग।
21-01-2025	Tuesday	**UP Government Schemes, Projects and Planned Development for welfare of People, Human Resources and Skill Development., Investment in U P: Issues and Impact, Public Finance and Fiscal Policy, Tax and Economic Reforms, One District One Product Policy of UP Government.** उत्तर प्रदेश सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाएँ, परियोजनाएँ, एवं नियोजित विकास, मानव संसाधन एवं कौशल विकास।, उत्तर प्रदेश में निवेश मुद्दे एवं प्रभाव।, उत्तर प्रदेश की लोक वित्त एवं राजकोषीय नीति, कर एवं आर्थिक सुधार, एक जिला एक उत्पाद नीति।
22-01-2025	Wednesday	**Planning and management of renewable and non- renewable energy resources of UP., Demography, Population and Censuses of UP., Commercialization of agriculture and production of agricultural crops in UP.** उत्तर प्रदेश में नवीकरणीय ऊर्जा एवं गैर-नवीकरणीय ऊर्जा संसाधनों की योजना एवं प्रबंधन।, उत्तर प्रदेश की जनांकिकी, जनसंख्या एवं जनगणना।, उत्तर प्रदेश में कृषि का व्यावसायीकरण एवं कृषि फसलों का उत्पादन।
23-01-2025	Thursday	UP New Forest Policy., Agro and Social Forestry in U.P., Agricultural Diversity, Problems of agriculture and their solutions in UP., Developmental Indices of U Pin various fields. उत्तर प्रदेश की नवीन वानिकी नीति।, उत्तर प्रदेश की कृषि एवं सामाजिक वानिकी।, उत्तर प्रदेश में कृषि विविधता, कृषि की समस्याएँ एवं उनका समाधान।, उत्तर प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में विकासीय सूचकांक।
24-01-2025	Friday	Geography of UP: Geographical Location, Relief and Structure, Climate, Irrigation, Minerals, Drainage System and Vegetation. उत्तर प्रदेश का भूगोल भौगोलिक स्थिति, उच्चावच एवं संरचना, जलवायु सिंचाई, खनिज, अपवाह प्रणाली एवं वनस्पति।
25-01-2025	Saturday	हिन्दी, निबन्ध
27-01-2025	Monday	**National Parks and Wild Life Sanctuaries in UP., Transport Network in UP.** उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय उद्यान एवं वन्यजीव अभयारण्य।, उत्तर प्रदेश में परिवहन तंत्र।
28-01-2025	Tuesday	**Power Resources, Infrastructure and Industrial Development of UP., Pollution and Environmental Issues in UP, Pollution Control Board and its functions., Natural Resources of UP- Soil, Water, Air, Forests, Grasslands, Wetlands.** उत्तर प्रदेश में औद्योगिक विकास, शक्ति संसाधन एवं अधोसंरचना।, उत्तर प्रदेश में प्रदूषण एवं पर्यावरण के मुद्दे, प्रदूषण नियंत्रण परिषद एवं इनके कार्य।, उत्तर प्रदेश के प्राकृतिक संसाधन मृदा, जल वायु, वन, घास मैदान, आर्द्रभूमि।
29-01-2025	Wednesday	**Climate Change and Weather Forecasting issues in UP.** **Habitat and Ecosystem, structure and function, adjustment; Flora and Fauna with reference to UP.** उत्तर प्रदेश के जलवायु परिवर्तन एवं मौसम पूर्वानुमान से संबंधित मुद्दे।, उत्तर प्रदेश के संदर्भ में अधिवास, पारिस्थितिकी तंत्र- संरचना एवं कार्य, समायोजन, जीव-जंतु एवं वनस्पतियाँ।
30-01-2025	Thursday	**Science and Technology: Its issues, advancements and efforts in U P., Aquaculture, Viticulture, Sericulture, Floriculture, Horticulture, Arboric culture in up and its impact on development of UP., Evolvement of Public-Private Partnership (PPP) for development of UP.** उत्तर प्रदेश में विज्ञान एवं तकनीक के मुद्दे, प्रसार एवं प्रयत्न।, उत्तर प्रदेश में मत्स्य, अंगूर, रेशम, फूल, बागवानी एवं पौध उत्पादन तथा उत्तर प्रदेश के विकास में इनका प्रभाव।, उत्तरं प्रदेश के विकास में सार्वजनिक एवं निजी भागीदारी की भूमिका

G.S-PAPER- IV

Date	Day	Topic
31-01-2025	Friday	**Ethics and Human Interface: Essence, determinants and consequences of Ethics in human actions; dimensions of ethics; ethics in private and public relationship. Human Values-lessons from the lives and teachings of great leaders, reformers and administrators; role of family, society and educational institutions in inculcating values** नीतिशास्त्र तथा मानवीय सह-संबंध: मानवीय क्रियाकलापों में नीतिशास्त्र का सार तत्व, इसके निर्धारक और परिणाम: नीतिशास्त्र के आयाम; निजी और सार्वजनिक संबंधों में नीतिशास्त्र। मानवीय मूल्य-महान नेताओं, सुधारकों और प्रशासकों के जीवन तथा उनके उपदेशों से शिक्षा; मूल्य विकसित करने में परिवार, समाज और शैक्षणिक संस्थाओं की भूमिका
01-02-2025	Saturday	**हिन्दी, निबन्ध**
03-02-2025	Monday	**Attitude: content, structure, function; its influence and relation with thought and behavior; moral and political attitudes; social influence and persuasion.** अभिवृत्ति: सारांश (कटेन्ट), संरचना, वृत्ति: विचार तथा आचरण के परिप्रेक्ष्य में इसका प्रभाव एवं संबंध; नैतिक और राजनीतिक अभिरुचि; सामाजिक प्रभाव और धारणा
04-02-2025	Tuesday	**Aptitude and foundational values for Civil Service, integrity, impartiality and non-partisanship, objectivity** सिविल सेवा के लिए अभिरुचि तथा बुनियादी मूल्य, सत्यनिष्ठा, भेदभाव रहित तथा गैर-तरफदारी, निष्पक्षता
05-02-2025	Wednesday	**Dedication to public service, empathy, tolerance and compassion towards the weaker sections/Emotional intelligence-concept, and their utilities and application in administration and governance** सार्वजनिक सेवा के प्रति समर्पण भाव, कमजोर वर्गों के प्रति सहानुभूति, सहिष्णुता तथा संवेदना, भावनात्मक समझ: अवधारणाएं तथा प्रशासन और शासन व्यवस्था में उनके उपयोग और प्रयोग
06-02-2025	Thursday	**Contribution of moral thinkers and philosophers from India and world, Public/Civil service values and Ethics in public administration: Status and problems; ethical concerns and dilemmas in government and private institutions; laws, rules, regulations and conscience as source of ethical guidance; accountability and ethical governance/** भारत तथा विश्व के नैतिक विचारकों एवं दार्शनिकों के योगदान, लोक प्रशासनों में लोक/सिविल सेवा मूल्य तथा नीतिशास्त्र: स्थिति तथा समस्याएं; सरकारी तथा निजी संस्थानों में नैतिक चिंताएं तथा दुविधाएं; नैतिक मार्गदर्शन के स्रोतों के रूप में विधि, नियम, विनियम तथा अंतरात्मा
07-02-2025	Friday	**Strengthening of ethical and moral values in governance; ethical issues in international relations and funding; corporate governance/** शासन व्यवस्था में नीतिपरक तथा नैतिक मूल्यों का सुदृढ़ीकरण; अंतर्राष्ट्रीय संबंधों तथा निधि व्यवस्था (फडिंग) में नैतिक मुद्दे; कॉरपोरेट शासन व्यवस्था
08-02-2025	Saturday	**हिन्दी, निबन्ध**
10-02-2025	Monday	**Probity in Governance: Concept of public service; Philosophical basis of governance and probity; Information sharing and transparency in government, Right to Information Citizen's Charters/** शासन व्यवस्था में ईमानदारी: लोक सेवा की अवधारणा; शासन व्यवस्था और ईमानदारी का दार्शनिक आधार, सरकार में सूचना का आदान-प्रदान और पारदर्शिता, सूचना का अधिकार नागरिक घोषणा-पत्र
11-02-2025	Tuesday	**Codes of Ethics, Codes of Conduct, Work culture, Quality of service delivery, Utilization of public funds, challenges of corruption/** नीतिपरक आधार संहिता, आचरण संहिता, कार्य संस्कृति, सेवा प्रदान करने की गुणवत्ता, लोक निधि का उपयोग, भ्रष्टाचार की चुनौतियां

आकार IAS

Shape Your Dreams

UPPCS - 2024

MAINS TEST SERIES

GS Full	Sectional	Essay	Hindi	Total
12	07	03	02	24

STARTS FROM

05 JAN. 25

11:00 AM

Offline Fee - 12000/-

Online Fee - 9000/-

कार्यक्रम की विशेषताएँ

- सभी टेस्ट रविवार को आयोजित किए जाएँगे।
- आयोग की परीक्षा तिथि के अनुसार संस्थान टेस्ट सीरीज में बदलाव कर सकता है।
- मुख्य परीक्षा की दृष्टि से कुछ आवश्यक कक्षाएं टेस्ट सीरीज के साथ प्रदान की जाएंगी, जोकि पूर्ण रूप से निःशुल्क होंगी।
- मॉडल उत्तर अंग्रेजी और हिंदी दोनों माध्यमों में उपलब्ध कराए जाएँगे।
- निःशुल्क मेंटरशिप एवं मॉडल उत्तर चर्चा (Model Answer Discussion) कक्षाएं निःशुल्क प्रदान की जाएँगी।

REGISTRATION OPEN

Ph.:9519483938, 9935888651

Website: aakarics.com | E-mail: aakartoday@gmail.com Follow us on:

:B-59, Sec-H, Opp. Axis Bank, Near Puraniya Chauraha Aliganj, Lucknow

आकार IAS

SHAPE YOUR DREAMS

UPPSC

MAINS TEST SERIES-2024

Test.	Date	Time	Paper	Subject Topic
1.	05 January	11:00-2:00	G.S-I (Part I)	History, Art & Culture
2.	12 January	11:00-2:00	G.S-I (Part II)	Geography, Indian Society
3.	19 January	11:00-2:00	G.S I	Full Test
4.		4:00-7:00		General Hindi
5.	26 January	11:00-2:00	G.S-II (Part I)	Polity & Constitution, Governance
6.		4:00-7:00		Essay
7.	02 February	11:00-2:00	G.S-II (Part II)	Social Justice + International Relation
8.		4:00-7:00	G.S-II	Full Test
9.	09 February	11:00-2:00	G.S-III (Part I)	Science & Tech., Economic Development, Environment
10.		4:00-7:00		General Hindi
11.	16 February	11:00-2:00	G.S-III (Part II)	Internal Security & Disaster Management
12.		4:00-7:00		Essay
13.	23 February	11:00-2:00	G.S-III	Full Test
14.		4:00-7:00	G.S-IV (Part I)	Ethics
15.	02 March	11:00-2:00		Essay
16.		4:00-7:00	G.S-IV	Full Test
17.	09 March	11:00-2:00	G.S-V	Full Test
18.		4:00-7:00	G.S-VI	Full Test
19.	16 March	11:00-2:00	G.S-I	Full Test
20.		4:00-7:00	G.S-II	Full Test
21.	23 March	11:00-2:00	G.S-III	Full Test
22.		4:00-7:00	G.S-IV	Full Test
23.	30 March	11:00-2:00	G.S-V	Full Test
24.		4:00-7:00	G.S-VI	Full Test

Ph.:9519483938, 9935888651

Website: aakarics.com | E-mail: aakartoday@gmail.com Follow us on:

:B-59, Sec-H, Opp. Axis Bank, Near Puraniya Chauraha Aliganj, Lucknow